Unit-5

Professional Ethics and Current Ethical Issues

व्यावसायिक नैतिकता एवम् वर्तमान नैतिक मुद्दे

Topic at a glance

Professional Ethics

Professional ethics is defined as the personal and corporate rules that govern behavior within the context of a particular profession. Professional ethics may be understood as professionally acknowledged measures of individual and business

conduct, values, and guiding principles. Professional ethics is nothing but a code of conduct applicable to different professions and is set up by the expert members of such profession or professional organizations. The underlying philosophy of having professional ethics is to make the persons performing in such jobs to follow the sound, uniform ethical conduct.

व्यावसायिक नैतिकता

व्यावसायिक नैतिकता को व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट नियमों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी विशेष पेशे के संदर्भ में व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। पेशेवर नैतिकता को व्यक्तिगत और व्यावसायिक आचरण, मूल्यों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के पेशेवर रूप से स्वीकृत उपायों के रूप में समझा जा सकता है। पेशेवर नैतिकता और कुछ नहीं, विभिन्न व्यवसायों पर लागू होने वाली आचार संहिता है और ऐसे पेशे या पेशेवर संगठनों के विशेषज्ञ सदस्यों द्वारा स्थापित की जाती है। पेशेवर नैतिकता रखने का अंतर्निहित दर्शन ऐसी नौकरियों में प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को ध्वनि, समान नैतिक आचरण का पालन करना है।को व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट नियमों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी विशेष पेशे के संदर्भ में व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। पेशेवर नैतिकता को व्यक्तिगत और व्यावसायिक आचरण, मूल्यों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के पेशेवर रूप से स्वीकृत उपायों के रूप में समझा जा सकता है। पेशेवर नैतिकता और कुछ नहीं, विभिन्न व्यवसायों पर लागू होने वाली आचार संहिता है और ऐसे पेशे या पेशेवर संगठनों के विशेषज्ञ सदस्यों द्वारा स्थापित की जाती है। पेशेवर नैतिकता रखने का अंतर्निहित दर्शन ऐसी नौकरियों में प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को ध्वनि, समान नैतिक आचरण का पालन करना है।

Components of Professional Ethics

व्यावसायिक नैतिकता के घटक

Some professional organizations may define their ethical approach in terms of a number of discrete components. Typically these include:

कुछ पेशेवर संगठन कई असतत घटकों के संदर्भ में अपने नैतिक दृष्टिकोण को परिभाषित कर सकते हैं। आमतौर पर इनमें शामिल हैं:

Honesty ईमानदारी

Integrity अखंडता

Transparency पारदर्शिता

Accountability जवाबदेही

Confidentiality गोपनीयता

Objectivity निष्पक्षतावाद

Respectfulness सम्मान

Obedience to the Law कानून का पालन

Importance of Professional Ethics

व्यावसायिक नैतिकता का महत्व

- It creates an environment of ethical behavior as a basic criterion.
- It guides an individual to act in a particular way.
- It assists in protection of fundamental human interests.
- It enhances public confidence in the profession.
- It spells out standards of practice.

• यह एक बुनियादी मानदंड के रूप में नैतिक व्यवहार का वातावरण बनाता है।
• यह एक व्यक्ति को एक विशेष तरीके से कार्य करने के लिए मार्गदर्शन करता है।
• यह मूलभूत मानवीय हितों की सुरक्षा में सहायता करता है।
• यह पेशे में जनता का विश्वास बढ़ाता है।
• यह व्यवसाय के मानकों को परिभाषित करता है।

Professional Ethics for teachers

शिक्षकों के लिए व्यव्सायिक नैतिकता

Towards students

- Encourage students to improve their performance
- Equal treatment of the students irrespective of their caste, gender, etc.
- Refrain from physical ,mental and emotional harassment.
- Must possess knowledge of the subject.
- Should be well prepared for a class
- Acting with impartiality
- Being fair
- Should provide the environment of safety to the students

छात्रों के प्रति

• छात्रों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करें
• छात्रों को उनकी जाति, लिंग इत्यादि की परवाह किए बिना समान व्यवहार।
• शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न से बचना।
• विषय का ज्ञान होना चाहिए।
• एक कक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए
• निष्पक्षता के साथ कार्य करना
• निष्पक्ष होना
• छात्रों को सुरक्षा का वातावरण प्रदान करना चाहिए

Obligations towards colleagues

- Treat other members of the profession with respect
- Must not be engaged in backbiting
- Cooperation with others.

सहकर्मियों के प्रति दायित्व

• पेशे के अन्य सदस्यों के साथ आदर से पेश आएँ

• निंदा करने में व्यस्त नहीं होना चाहिए

• दूसरों के साथ सहयोग।

Towards Parents

- Apart from colleagues, the educators must engage in positive interactions with parents or guardians for the child's future.
- Must establish a rapport with students and their families.

माता-पिता के प्रति

• सहयोगियों के अलावा, शिक्षकों को बच्चे के भविष्य के लिए माता–पिता या अभिभावकों के साथ सकारात्मक बातचीत में संलग्न होना चाहिए।

• छात्रों और उनके परिवारों के साथ तालमेल स्थापित करना चाहिए।

Towards Authorities

- Cooperation in formulation of policies
- Cooperation for the betterment of the institution.

अधिकारियों के प्रति

• नीतियों के निर्माण में सहयोग

• संस्था की बेहतरी के लिए सहयोग।

Current Ethical Issues

वर्तमान नैतिक मुद्दे

1.Corruption in Teacher Education

The major cause of ethical deterioration in education system is rapidly spreading corruption. There was a time when corruption was only in Government offices, private institutions, police stations etc. But, now a day's corruption has spread its roots in education system also. Corruption in the education sector can be defined as "the systematic use of public office for private benefit, whose impact is significant on the availability and quality of educational goods and services. Corruption in

education can include bribes and illegal fees for admission and examination; academic fraud; withholding teacher salaries; preferential promotion and placement.

शिक्षक शिक्षा में भ्रष्टाचार

शिक्षा प्रणाली में नैतिक गिरावट का प्रमुख कारण तेजी से भ्रष्टाचार का फैलना है। एक समय था जब भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों, निजी संस्थानों, पुलिस स्टेशनों आदि में था, लेकिन अब एक दिन के भ्रष्टाचार ने शिक्षा क्षेत्र में भी अपनी जड़ें जमा ली हैं। शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार को निजी लाभ के लिए सार्वजनिक कार्यालय के उपयोग के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसका प्रभाव शैक्षिक वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता पर हो रहा है। शिक्षा में भ्रष्टाचार में प्रवेश और परीक्षा के लिए रिश्वत और अवैध शुल्क शामिल हो सकते हैं; शैक्षणिक धोखाधड़ी; शिक्षक के वेतन को रोकना; तरजीही पदोन्नति और प्लेसमेंट।

2. Privatization of Educational Institutes

Privatization of education has emerged in several forms in the recent decade in India. Government allowed to opens self-financing private teacher institutions with recognition, which may be termed as commercial private teacher education institutions. With the mushrooming of these private institutes in the modern era, the education has acquired the status of a marketable commodity, where educational institutes are the traders and students are the customers. These institutions start courses without basic infrastructure and qualified teaching faculties. They are appointing those teachers that are low salaried and far away from the standards. In this environment, teachers do not have any Job security, so that they always do as management desire and they are morally down in the dumps.

शैक्षिक संस्थानों का निजीकरण

भारत में हाल के दशक में शिक्षा का निजीकरण कई रूपों में सामने आया है। सरकार ने मान्यता के साथ स्व–वित्तपोषण निजी शिक्षक संस्थानों को खोलने की अनुमति दी, जिसे वाणिज्यिक निजी शिक्षक शिक्षा संस्थान कहा जा सकता है। आधुनिक युग में इन निजी संस्थानों की मशरूमिंग के साथ, शिक्षा ने एक विपणन योग्य वस्तु का दर्जा हासिल कर लिया है, जहां शैक्षणिक संस्थान व्यापारी हैं और छात्र ग्राहक हैं। ये संस्थान बुनियादी ढांचे

और योग्य शिक्षण संकायों के बिना पाठ्यक्रम शुरू करते हैं। वे उन शिक्षकों की नियुक्ति कर रहे हैं जो कम वेतनभोगी हैं और मानकों से बहुत दूर हैं। इस माहौल में, शिक्षकों के पास कोई नौकरी की सुरक्षा नहीं है, वे हमेशा प्रबंधन की इच्छा के अनुसार चलते हैं ।

3. Political Interference

The political interference is largely responsible for misuse of human resource management in education. Political parties often use many teachers as their party workers and these teachers also participate willingly in politics. Those teachers who are very close to political leaders have records of misconduct and unethical behaviour such as irregularity in class teaching, becoming absent from the school without taking leave. Political leaders, high-level bureaucrats and members of the teacher unions also attempt to influence decision-making regarding the recruitment and transfer of teachers. Favouritism, nepotism and bribes are major types of misconduct in teacher's appointment, posting and transfer. So the moral and ethical commitment of teachers has gradually decreased over the years due to political interference.

राजनीतिक हस्तक्षेप

शिक्षा में मानव संसाधन प्रबंधन के दुरुपयोग के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप काफी हद तक जिम्मेदार है। राजनीतिक दल अक्सर कई शिक्षकों को अपनी पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में उपयोग करते हैं और ये शिक्षक राजनीति में भी स्वेच्छा से भाग लेते हैं। जो शिक्षक राजनीतिक नेताओं के बहुत करीबी हैं, उनके पास कदाचार और अनैतिक व्यवहार का रिकॉर्ड है जैसे कि कक्षा में शिक्षण में अनियमितता, बिना छुट्टी लिए स्कूल से अनुपस्थित रहना। राजनीतिक नेताओं, उच्च–स्तरीय नौकरशाहों और शिक्षक यूनियनों के सदस्य भी शिक्षकों की भर्ती और स्थानांतरण के बारे में निर्णय लेने को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। शिक्षक की नियुक्ति, पदस्थापन और स्थानांतरण में पक्षपात, भाई–भतीजावाद और रिश्वत प्रमुख प्रकार के कदाचार हैं। इसलिए राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण शिक्षकों की नैतिक और नैतिक प्रतिबद्धता धीरे–धीरे कम हो गई है।

4. Ethics of Care in Teacher-Student Relationship

The teacher should take a pledge to follow the code of ethics which may bring credit to the entire profession. In establishing rapport with the students their should be mutual trust and openness in accepting to other's points of view.

शिक्षक-छात्र संबंधों में देखभाल की नैतिकता

शिक्षक को नैतिकता संहिता का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए जो पूरे पेशे के लिए क्रेडिट ला सकता है। छात्रों के साथ तालमेल स्थापित करने में उनके आपसी विश्वास और दूसरे के दृष्टिकोणों को स्वीकार करने में खुलापन होना चाहिए।

5. Un-Fair Assessments

Course assessments must be objective, valid, fair, but at present there are many factors that may affect fairness in grading. Teachers should also avoid letting unrelated factors or personal biases which affect their grading of student assessments. It is now a major problem in the field of teacher education many institutions and universities are there, where assessment is done taking illegal money.

अनुचित मूल्यांकन

पाठ्यक्रम मूल्यांकन उद्देश्यपूर्ण, मान्य, निष्पक्ष होना चाहिए, लेकिन वर्तमान में कई कारक हैं जो ग्रेडिंग में निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षकों को असंबद्ध कारकों या व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से भी बचना चाहिए जो छात्र मूल्यांकन को प्रभावित करते हैं। शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में अब यह एक बड़ी समस्या है, कई संस्थान और विश्वविद्यालय हैं, जहां अवैध धन लेने के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

6. Teachers' Absenteeism

Teachers are the role models of students and in most rural communities, they are the most educated and respected personality. Teachers are the spreader of knowledge who help developing pupils' understanding, attitudes, skills, learning, and core values ·While simultaneously those teachers are mostly absent from classes providing negative role models for students. Education is now in the grasp of corruption because of high rate of teacher absenteeism.

शिक्षकों की अनुपस्थिति

शिक्षक छात्रों के रोल मॉडल हैं और अधिकांश ग्रामीण समुदायों में, वे सबसे अधिक शिक्षित और सम्मानित व्यक्तित्व हैं। शिक्षक ज्ञान के प्रसारकर्ता हैं जो विद्यार्थियों की समझ, व्यवहार, कौशल, सीखने और मुख्य मूल्यों को विकसित करने में मदद करते हैं। शिक्षकों की अनुपस्थित ज्यादातर छात्रों के लिए नकारात्मक भूमिका मॉडल प्रदान करते हैं। शिक्षक अनुपस्थिति की उच्च दर के कारण शिक्षा अब भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है।

7. Boundaries in Teacher–student Relationships

Communication, emotions, and relationship boundaries are the most important factor of a teacher-student relationship.Teachers must understand and maintain a healthy relationship with their students.

शिक्षक-छात्र संबंधों में सीमाएँ

संचार, भावनाएं, और रिश्ते की सीमाएं एक शिक्षक–छात्र संबंध का सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। शिक्षकों को अपने छात्रों के साथ स्वस्थ संबंध को समझना और बनाए रखना चाहिए।